Social or Personal

• Field Studies क्षेत्र अध्ययन

सामाजिक विज्ञानों के अन्तर्गत शोध समस्याओं के समाधान के लिए प्रयोगात्मक शोध के विकल्प के रूप में Field Study का प्रयोग व्यापक रूप से किया जाता है क्योंकि इन सामाजिक विज्ञानों के अन्तर्गत समस्याओं का स्वरूप कुछ ऐसा ही होता है। क्षेत्र अध्ययन वह शोध है जिसके अन्तर्गत किसी समस्या का समाधान स्वाभाविक परिवेश में किया जाता है और कभी वह संबंधात्मक शोध होता है। क्षेत्र अध्ययन को स्पष्ट करते हुए Dr Mohsin (1984) ने इसकी परिभाषा कि व्याख्या की है और बताया कि "Field study is a research in a natural setting which involves either testing hypothesis about a relationship between two or more variables or seeking to discover the variable which may be presumed to be related to a variable of interest."

or,

"क्षेत्र अध्ययन वह शोध है जो प्राकृतिक परिवेश में होता है और जिसके द्वारा दो या दो से अधिक चरों के बीच सम्बन्ध के बारे में परिकल्पना की जाती है अथवा उस चर की खोज की जाती है जिसे अध्ययन के अधीन चर से सम्बद्ध समझा जाता है।"

इस परिभाषा से दो बातें देखने को मिलती है एक तो यह कि Ex-post-facto research का क्षेत्र अध्ययन कहते हैं यहाँ शोधकर्ता का उद्देश्य प्राकृतिक परिवेश में पहले से घटित किसी घटना के

आनुमानिक कारण की खोज करना होता है। दूसरी बात यह है कि सह-सम्बन्ध अध्ययन से हैं यहाँ शोधकर्ता का उद्देश्य प्राकृतिक परिवेश में दो या दो से अधिक चरों के बीच सहसम्बन्ध की जाँच करना होता है।

जब field study के परिभाषा पर विचार करते हैं तो निम्नलिखित गुण एवं दोष देखने को मिलता है।

गुण Merits

① व्यापक क्षेत्र :-

Kerlinger (1974) ने क्षेत्र अध्ययन के लाभों की चर्चा करते हुए कहा है कि इसका क्षेत्र काफी व्यापक है। इसका व्यवहार ऐसी परिस्थिति में भी सम्भव है जहाँ क्षेत्र प्रयोग अथवा प्रयोगशाला प्रयोग सम्भव नहीं हो पाता है। कुछ परिस्थितियाँ ऐसी होती हैं। जिनपर नियन्त्रण सम्भव नहीं होता है। वेश्याओं के समूह, अपराधियों का समूह आदि के अध्ययन के लिए क्षेत्र प्रयोग या प्रयोगशाला प्रयोग उपयुक्त नहीं है। जबकि क्षेत्र अध्ययन उपयुक्त है इसलिए अधिक व्यापक या विस्तृत है।

② स्वाभाविकता Naturalism :-

क्षेत्र अध्ययन में स्वाभाविकता का गुण पाया जाता है। यह अध्ययन प्राकृतिक परिवेश में किया जाता है। यहाँ अध्ययन परिस्थितियों को नियन्त्रित नहीं किया जाता, नहीं किसी नये पर का परिचालन किया जाता है बल्कि अध्ययन परिस्थिति जिस परिस्थिति में उपलब्ध

होती है। उसी रूप में उसका अध्ययन किया जाता है।

(3) लचीलापन flexibility :-

Kerlinger के अनुसार क्षेत्र अध्ययन में लचीलापन के गुण पाये जाते हैं यहाँ अध्ययन परिस्थिति अनियंत्रित तथा स्वभाविक होती है इसलिए अध्ययनकर्ता इस पोजीशन में होता है कि वह आवश्यकता के अनुसार अपने अध्ययन में परिवर्तन लाकर अध्ययन को पूरा करना सम्भव होता है।

(4) वास्तविकता Realism :-

field study विधि द्वारा जो अध्ययन होता है वह वास्तविक होता है क्योंकि जो भी अध्ययन स्वभाविक अध्ययन या प्राकृतिक परिवेश में किया जाता है उसमें वास्तविक होने की सम्भावना कम होती है।

(5) जटिल समस्याओं के लिए उपयुक्त :-

इसके द्वारा शिक्षा उद्योग तथा व्यापार संगठनों से सम्बन्धित जटिल समस्याओं के समाधान में अधिक उपयोगी है क्योंकि ऐसी जटिल समस्याओं के समाधान के लिए क्षेत्र अध्ययन अधिक उपयोगी है।

(6) व्यावहारिक समस्याओं के उपयुक्त :-

appropriate for practical problem :-

व्यावहारिक समस्याओं के लिए उपयुक्त इसलिए है कि जो बच्चे शिक्षा में पिछड़ जाते हैं जिनके समाधान के लिए field study अधिक उपयुक्त है। इसी तरह prejudice, group conflics, communal tention, cast riots, prostitution ... पहल से चाहते किसी घटना के

आदि अनेक ... हो जिनका समाधान समुचित रूप से क्षेत्र प्रयोग एवं सम्भव हो।

(7) सामाजिक विज्ञानों के लिए उपयुक्त :- appropriate for social sciences :- सामाजिक विज्ञानों जैसे समाज विज्ञान, मानव विज्ञान, राजनीति और समाज मनोविज्ञान के अन्तर्गत होनेवाले शोध प्रधानतः क्षेत्र अध्ययन पर आधारित होते हैं।

(8) सामाजिक सार्थकता Social significant :- Kerlinger (1978) ने क्षेत्र अध्ययन की सामाजिक सार्थकता भी काफी महत्वपूर्ण है। क्या धर्म पसन्द या राजनैतिक पसन्द तथा सत्तावादी मनोवृत्ति के बीच कोई सार्थक सम्बन्ध है। धार्मिक या राजनैतिक पसन्द क्यों सत्तावादी मनोवृत्ति से सम्बद्ध है। इस प्रकार के प्रश्नों का समुचित उत्तर जितना क्षेत्र अध्ययन से सम्भव है उतना प्रयोगशाला प्रयोग से नहीं।

(9) उच्च शोध क्षमता :- Kerlinger के अनुसार क्षेत्र अध्ययन में शोध क्षमता अधिक पायी जाती है जैसे शोधकर्ता इस परिकल्पना की जाँच करना चाहता है कि शिक्षा नीति निर्णय के बोर्ड का मुख्य निर्धारक उस बोर्ड के सदस्यों की मनोवृत्ति है। इस परिकल्पना परिक्षण के दौरान कई अन्य शोध समस्याएँ दृष्टिगोचर हो सकती हैं। बोर्ड के सदस्यों की मनोवृत्ति तथा सदस्य के रूप में चयन के बीच सम्बन्ध उनके व्यावसायिक ... सदस्य सम्बद्धता के बीच पारस्परिक ...

समस्याओं से सम्बद्ध कोई उपयुक्त प्रशासक शिक्षक एवं माता-पिता के विभिन्न दृष्टिकोण आदि।

(10) बाह्य वैधता External validity :- Field Study में उच्च वैधता पायी जाती है। Mohsin (1984) ने कहा है कि बाह्य वैधता के बल पर शैक्षिक, उद्योगिक तथा सामाजिक स्थितियों को सुधारने में क्षेत्र अध्ययन काफी उपयोगी प्रमाणित हुआ है।

इस प्रकार Field Study के लाभ होने के बावजूद इसमें कई दोष भी हैं। जो निम्नलिखित है

दोष Demerits

(1) नियंत्रण का अभाव Lack of Control :- Field Study में नियंत्रण का पूर्ण अभाव होता है। वैज्ञानिक अध्ययन के लिए आवश्यक है कि अध्ययन परिस्थिति या स्वतंत्र चरों पर शोधकर्ता को नियंत्रण प्राप्त हो। लेकिन Ex-post facto nature होने के कारण क्षेत्र अध्ययन में अध्ययन कर्ता को स्वतंत्र चरों पर कोई नियंत्रण नहीं प्राप्त होता है। एक ही साथ कई चरों का उपस्थित होने के कारण यह निश्चित करना कठिन बन जाता है कि अध्ययन के आश्रित Dependent variable का सम्बन्ध वास्तव में किस स्वतंत्र चर से जैसे Communal tension का वास्तविक क्षेत्र के नेता के भाषण आपसी दुश्मनी धार्मिक कट्टरता या किसी असमाजिक तत्व से है यह निश्चित रूप से कहना सम्भव नहीं है। Kerlinger (1973) ने कहा है कि इस दृष्टिकोण से क्षेत्र

अध्ययन में वैज्ञानिकता की कमी पायी जाती है।

② परिचालन का अभाव Lack of manipulation

क्षेत्र अध्ययन के किसी स्वतंत्र चर को परिचालित करना सम्भव नहीं होता क्योंकि यहाँ नियंत्रण का पूर्ण अभाव रहता है। शोधकर्ता के लिये यह सम्भव नहीं होता कि वह किसी चर को परिचालित कर उसके प्रभाव को आश्रित चर के रूप में निर्धारित करे।

③ परिशुद्धता का अभाव Lack of precision

क्षेत्र अध्ययन में परिशुद्धता का अभाव पाया जाता है। वैज्ञानिक अध्ययन के लिये आवश्यक है कि उसमें परिशुद्धता का गुण उपस्थित हो। Kerlinger (1978) ने भी बताया कि "Another methodological weakness is the lack of precision in the measurement of field variables".

④ यादृच्छिकरण का अभाव Lack of Randomization :-

Kerlinger ने कहा है कि क्षेत्र परिस्थितियों के अधिक जटिलता के कारण क्षेत्र अध्ययन में random sampling सम्भव नहीं हो पाता है।

⑤ अनिश्चयात्मक परिणाम Inconclusive finding

क्षेत्र अध्ययन के आधार पर जो परिणाम प्राप्त होते हैं वह अनिश्चित होता है। स्वतंत्र चर पर नियंत्रण नहीं होने के कारण सम्बद्ध चरों के कारण प्रभाव सम्बन्ध के बारे में कोई निश्चित निष्कर्ष प्राप्त

करना संभव नहीं हो पाता है।

(3) कारण और प्रभाव की पहचान : इसमें यह निश्चित करना कठिन हो जाता है कि कारण क्या है, और प्रभाव क्या है। क्योंकि यहाँ आश्रित चर और स्वतंत्र चर दोनों पहले से घटित होता है जैसे किसी विद्यालय में नामांकन के भीड़ का कारण उस विद्यालय के परीक्षा के अच्छे परिणामों को माना जा सकता है। यहाँ विद्यालय का अच्छा परिणाम कारण (स्वतंत्र चर) तथा नामांकन की भीड़ प्रभाव (आश्रित चर) है लेकिन यह भी संभव है कि नामांकन के भीड़ के कारण अपेक्षाकृत तेज बुद्धि के बालकों का ही नामांकन उस विद्यालय में हो पाता है जिससे उस विद्यालय का परीक्षाफल अधिक अच्छा होता है इसलिए अच्छा परीक्षाफल प्रभाव (आश्रित चर) है और नामांकन भीड़ कारण (स्वतंत्र चर) है लेकिन प्रयोगात्मक अध्ययन में इस तरह का दोष नहीं पाया जाता है।

(4) अधिक समय, श्रम तथा धन का खर्च Time labour, and money consuming : क्षेत्र अध्ययन के लिए प्रायः बड़े Sample की आवश्यकता होती है इसमें अधिक समय लगता है श्रम अधिक करना पड़ता है और मुद्रा खर्च अधिक होता है।

(5) निम्न विश्वसनीयता Low reliability : क्षेत्र अध्ययन के आधार पर जो परिणाम प्राप्त होता है वह अधिक विश्वसनीय होता है।

क्योंकि अध्ययन परिस्थिति तथा स्वतंत्र चरों पर नियंत्रण नहीं होने के कारण विभिन्न समयों में क्षेत्र अध्ययन के आधार पर प्राप्त परिणामों में स्थिरता काफी निम्न बन जाती है।

(9) निम्न भविष्यवाणी वैधता Low predictive validity

क्षेत्र अध्ययन की वैधता इसकी विश्वसनीयता की तरह सीमित होती है। क्योंकि विशेष रूप से भविष्यवाणी वैधता काफी निम्न होती है। इसके अध्ययन के आधार पर प्राप्त परिणाम के आलोक में भविष्यवाणी करना सही अर्थ में संभव नहीं हो पाता है।

इसप्रकार स्पष्ट होता है कि क्षेत्र अध्ययन में कई तरह के दोष पाये जाते हैं। इसलिए Kerlinger ने कहा है कि प्रतिगामी स्वरूप के होने के कारण क्षेत्र अध्ययन की शोध प्रणाली प्रयोगशाला प्रयोग की तुलना में कमजोर होती है। लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में क्षेत्र अध्ययन अनिवार्य बन जाता है।

Scanned with CamScanner